Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding the serious situations created by wrong information spread by social media.

श्री वीरेन्द्र सिंह (बलिया): **अध्यक्ष महोदय, मैं आपको और इस देश की संसद को बहुत ही गंभीर चिंता से अवगत कराना चाहता हूं । जब सोशल मीडिया का अन्वेषण हुआ होगा तो वह सूचना को सुविधा से आदान-प्रदान करने के लिए हुआ होगा । लेकिन, आज सोशल मीडिया ने गलत सूचनाओं का दुरुपयोग करके इस तरह का गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है कि भारत की मानवीय संवेदना समाप्त हो रही है और सामाजिक सरोकार खत्म हो रहे हैं । मनुष्य रोज-रोज मशीन बनते जा रहे हैं । मैं एक किसान हूं । मैं रोज सुबह में देखता हूं कि गांव के खेत में काम करने वाले मजदूर और कामगार स्त्रियां सोशल मीडिया पर अपनी खबर देखने के लिए व्याकुल रहती हैं । मैं अपनी चिंता को आपके माध्यम से इस देश को अवगत करा रहा हूं । मैं जानता हूं कि संसद में कानून के माध्यम से देश में यह व्यवस्था नहीं हो सकती है । लेकिन, इससे मानवीय संवेदना खत्म हो रही है और भारतीय परंपरा का सामाजिक सरोकार खत्म हो रहा है । आप अपने माध्यम से कुछ चिंता करके, मैं जानता हूं कि आप ऐसे विषयों पर चिंतन करते हैं, आप देश को कुछ संदेश देने का प्रयास कीजिए ताकि देश में इस तरह की व्यवस्था स्थापित हो कि मानवीय संवेदना बनी रहे, सामाजिक सरोकार बना रहे और मनुष्य मशीन बनने से बच जाए । धन्यवाद ।**